दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 311
■ दमण, मंगलवार 01, सेतंबर 2026
■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु
■ RNI NO-DDHIN/2005/16215
■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने अगत्ती, लक्षद्वीप में मत्स्य पालन आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया

पीएम मोदी का विजन भारत की नीली क्रांति को आगे बढ़ा रहा है, लक्षद्वीप मत्स्य पालन आधारित विकास के नए दौर के लिए तैयार है: उपराष्ट्रपति

■ उपराष्ट्रपति ने लक्षद्वीप में सजावटी मत्स्य पालन के विकास के लिए रणनीतिक कार्य योजना ''मिशन रंगीन मछली 2031'' जारी की ■ नीली क्रांति भी हरित और श्वेत क्रांति की तरह ही बदलाव लाने वाली होगीः उपराष्ट्रपति ■ लक्षद्वीप पहुंचने पर उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन का प्रशासक प्रफुल पटेल ने गर्मजोशी से किया स्वागत ■ मत्स्य पालन आउटरिच कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, लक्षद्वीप के प्रशासक श्री प्रफुल के. पटेल, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी की रही उपस्थिति

पीआईबी, नई दिल्ली 31 अगस्त। उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज लक्षद्वीप के अगत्ती में आयोजित मत्स्य पालन आउटरिच कार्यक्रम में भाग लिया और सजावटी मत्स्य पालन विकास के लिए रणनीतिक कार्य योजना मिशन रंगीन मछली 2031 जारी की। उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभार्थियों को सरकारी लाभ और सहायता भी वितरित की। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर को लक्षद्वीप के लिए ऐतिहासिक दिन और भारत की नीली क्रांति की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज में नीला चक्र नीली क्रांति और समुद्री अर्थव्यवस्था की क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मत्स्य पालन और जलीय कृषि अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि सरकार सीधे मछुआरों तक सहायता और योजनाएं पहुंचाकर शासन प्रणाली में बदलाव ला रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत लक्षद्वीप के लिए 62 करोड़ रुपये से अधिक की मत्स्य विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। श्री सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि लक्षद्वीप में लगभग एक लाख टन से अधिक की मत्स्य क्षमता है, जिसमें 94,000 टन टूना और ऐसी अन्य प्रजातियां शामिल हैं। उन्होंने द्वीपीय समुदायों की समृद्धि सुनिश्चित करते हुए, इस क्षमता का वैज्ञानिक और सतत तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का समुद्री खाद्य निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष में 120 से अधिक देशों तक पहुंच के साथ 73,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि ईईजेड और खुले समुद्र से संबंधित पहल मत्स्य पालन क्षेत्र और वैश्विक समुद्री खाद्य बाजारों में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करेंगी। श्री सीपी राधाकृष्णन ने सतत विकास पर जोर देते हुए, जिम्मेदार मत्स्य पालन, समुद्री संसाधनों के संरक्षण और अवैध, अनधिकृत और अनियमित मत्स्य पालन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से मत्स्य पालन को केवल एक पैतृक व्यवसाय के रूप में नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक अवसरों से प्रेरित एक आधुनिक व्यवसाय के रूप में देखने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हरित क्रांति और श्वेत क्रांति की तरह ही, नीली क्रांति में भी मत्स्य पालन से जुड़े समुदायों के जीवन में बदलाव लाने की क्षमता है। उन्होंने सभी हितधारकों से भारत की नीली अर्थव्यवस्था को विकसित भारत 2047 का एक सशक्त स्तंभ बनाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, लक्षद्वीप के प्रशासक श्री प्रफुल के. पटेल, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्व सांसद लालू पटेल को आज उनके जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा तांता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल का आज जन्मदिन था। पूर्व सांसद लालू पटेल को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उनके शुभचिंतक एवं समर्थक सुबह से ही उनके निवासस्थान पर पहुंच रहे थे। संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने पूर्व सांसद लालू पटेल को गुलदस्ता भेंटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इसी क्रम में डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल, उद्योगपति छोटू पटेल एवं अन्य गणमान्य लोगों ने पूर्व सांसद लालू पटेल को पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई दी। पूर्व सांसद लालू पटेल ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देने वालों सभी के प्रति आभार जताया है।

टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव का सिलवासा आगमनः दमण के शिव शक्ति ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

■ दमण से शिव शक्ति ग्रुप के कार्यकर्ता हरीश पटेल ने टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव को भेंट की शिवाजी महाराज की मूर्ति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव का सोमवार को सिलवासा आगमन हुआ था। उनके आगमन को लेकर टाइगर ग्रुप के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया और संगठन की गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव का दमण के शिव शक्ति ग्रुप के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। शिव शक्ति ग्रुप के कार्यकर्ता हरीश पटेल ने टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव को शिवाजी महाराज की मूर्ति भेंट की। इस दौरान सिलवासा टाइगर ग्रुप के अध्यक्ष हितेश मोरे, उपाध्यक्ष रिशी पवार, अनिकेत भाऊ घुले, संजय भाऊ खंडगले की उपस्थिति रही। तानाजी भाऊ जाधव ने संगठन के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर क्षेत्र में संगठन को और मजबूत बनाने तथा सामाजिक गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर समाज हित में कार्य करने और युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने का आह्वान किया। इस दौरान स्थानीय पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक एवं जनहित से जुड़ी समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। उन्होंने आगामी दिनों में दमण दौरा करने की भी बात कही। समाज सेवा एवं जनहित के कार्यों को लेकर टाइगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आज सिलवासा दौरा हुआ था।

असली आज़ादी

मंगलवार, 01 सितंबर 2026, दमण।

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

मणिपुर में जनगणना पर रोक, अमित शाह की बैठक के बाद बड़ा फैसला; पहले एनआरसी की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। मणिपुर में होने वाली जनगणना को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लिया गया। बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल, मणिपुर में कई संगठन और नागरिक लंबे समय से मांग कर रहे थे कि जनगणना से पहले राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार किया जाए। इसी मांग को लेकर राज्य में प्रदर्शन भी हुए थे। कुल 14 संगठनों ने जनगणना को फिलहाल रोकने की मांग की थी। इस मांग के समर्थन में मणिपुर के कई भाजपा सांसद भी हाल ही में नई दिल्ली पहुंचे थे। मणिपुर उच्च न्यायालय ने भी इससे पहले एक सितंबर से शुरू होने वाली जनगणना प्रक्रिया को रोकने का निर्देश दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने मामले पर उच्चस्तरीय चर्चा की और लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए जनगणना स्थगित करने का निर्णय लिया। फैसले के बाद मणिपुर के मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मणिपुर के लोगों की भावनाओं और मांगों को महत्व दिया है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का भी आभार व्यक्त किया। जनगणना स्थगित होने के बाद अब मणिपुर में एनआरसी की मांग और नागरिकता से जुड़े मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार के अगले कदम पर नजर रहेगी।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।

चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।

क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

पटना में जहरीली शराब का कहर: विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।

उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।

ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि ÷मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से बाबर भारत आए थे।÷ उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उसी तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।

बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।

मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है।

कम बारिश का असर: धान की बुवाई 3.35 प्रतिशत घटी, अब तक 414.10 लाख हेक्टेयर में हुई बुवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कम बारिश का असर खरीफ सीजन की धान की बुवाई पर दिखाई देने लगा है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक धान की बुवाई पिछले वर्ष की तुलना में 3.35 प्रतिशत घटकर 414.10 लाख हेक्टेयर रह गई है। पिछले साल इसी अवधि में 428.44 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुवाई हो चुकी थी। धान देश की प्रमुख खरीफ फसलों में शामिल है और इसकी खेती काफी हद तक मानसूनी बारिश पर निर्भर रहती है। कई राज्यों में बारिश की कमी और असमान वितरण के कारण किसानों को धान की बुवाई में परेशानी का सामना करना पड़ा है। जिन क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई, वहां खेतों में नमी की कमी के कारण बुवाई प्रभावित हुई है। सरकार के लिए धान की बुवाई में गिरावट चिंता का विषय है, क्योंकि इसका असर आगे चलकर उत्पादन और बाजार में उपलब्धता पर पड़ सकता है। हालांकि, मानसून के शेष समय में अच्छी बारिश होने पर बुवाई का रकबा बढ़ने की संभावना बनी हुई है। धान के साथ अन्य खरीफ फसलों की स्थिति पर भी मौसम का असर देखा जा रहा है।

CHANGE OF NAME

MY DAUGHTER NAME CHANGED FROM TRISHA CHAUHAN TO **TRISHA YASHWANT CHAUHAN** AS PER DOCUMENT-**YASHWANT CHAUHAN**.
ADDRESS : H.NO.3243/16 FLAT NO.C-1/208 YOGI HILLS, AMLI, SILVASSA -396230

CHANGE OF NAME

MY SON NAME CHANGED FROM ABHINAV CHAUHAN TO **ABHINAV YASHWANT CHAUHAN** AS PER DOCUMENT-**YASHWANT CHAUHAN**.
ADDRESS : H.NO.3243/16 FLAT NO.C-1/208 YOGI HILLS, AMLI, SILVASSA -396230

Dated :- 31-08-2026

NOTICE

It is hereby informed to general public at large that, my client desire to purchase immovable property being Non Agriculture Land bearing Survey No. 168/96, admeasuring about 760.00 sqmts in area, consisting of Factory Building bearing Antiawad Gram Panchayat House No. 286/E, admeasuring about 464.60 sqmts (5000.91 sqfts in area), situated at Village Dabhel, Nani Daman, Daman from its owner Dewanshu Rai and Panchali Rai.

If any person or persons have any type of claim or objections against transfer of the said property, then objection in writing may be submitted within 7 days from the receipt of this notice to the undersigned. Otherwise my client shall presume that there is no objection from anybody and henceforth no any person shall have claim or right in the above said property and further my client shall also presume that there are no encumbrances and my client shall proceed to complete the transaction.

Shri Yusuf S. Ghia,
Advocate,
14, Umesh Complex,
Char Rasta,
Nani Daman, Daman.
Mobile No. 8160769817.

Adv. for applicant: Yogesh C. Solanki
Next date: 15 /09/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000563-2026
C. M. A. No. 315/2026

Rafik Ibraimo & Oth. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 13/2010, dated: 08/06/1994

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 17/08/2026

By Order
A. S. / Superintendent,
Diu

भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी ने संभाला कार्यभार

■ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान ने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 31 अगस्त। भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी ने आज अपने नए दायित्व का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी को कार्यभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्रीडी भाजपा युव मोर्चा अध्यक्ष डॉ. अवधेश सिंह चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. हेमांग जोशी के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सेवा और संगठन के कार्यों से और अधिक मजबूती से जोड़ेगा तथा युवा शक्ति को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। डॉ. हेमांग जोशी के नेतृत्व में युवा मोर्चा संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा की ओर से डॉ. हेमांग जोशी को हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।

पातलिया चेकपोस्ट पर पुलिस एवं एक्साइज कर्मियों पर हमला मामले में

जिला एवं सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को रखा बरकरार, तीनों आरोपियों को सजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। पातलिया चेकपोस्ट पर ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी और एक्साइज गार्ड के साथ मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को बरकरार रखा है। मामले में तीन आरोपियों को दोषी ठहराया गया, जबकि एक आरोपी को पूर्व में बरी कर दिया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 28 अक्टूबर की रात करीब 2.30 बजे पातलिया चेकपोस्ट पर हुई थी। उस समय चेकपोस्ट पर विजय ईश्वर हलपति पुलिस कांस्टेबल, एक्साइज गार्ड अशोक पटेल तथा जगदीश मिटना ड्यूटी पर तैनात थे। बताया गया कि गुजरात पुलिस एक कार नंबर डीडी-03-एच-2705 का पीछा करते हुए दमण क्षेत्र में पहुंची थी। इसके बाद गुजरात पुलिस वहां से लौट गई। आरोप है कि इसके बाद भद्रेश अरविंद पटेल ने अन्य के साथ ड्यूटी पर तैनात विजय ईश्वर हलपति के साथ गाली-गलौज करने, पुलिसकर्मी के साथ पुलिस के डंडे से मारपीट की। घटना के दौरान आरोपियों ने एक्साइज गार्ड को दौड़ाया और चेकपोस्ट के केबिन का कांच तोड़कर सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। उक्त उपद्रवियों पर गाली-गलौज करने, पुलिसकर्मी के साथ पुलिस के डंडे से मारपीट करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया गया। इस मामले में शिकायतकर्ता विजय ईश्वर हलपति की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 186, 353, 332, 341, 504 और 506(2) सहित पीडीपी एक्ट की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान 21 जनवरी 2017 को चार्जशीट दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान डॉक्टर का प्रमाणपत्र सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए। मामले में डॉक्टर का प्रमाणपत्र के साथ कुल 10 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। मामले की सुनवाई के दौरान तत्कालीन जांच अधिकारी द्वारा की गई जांच के

■ पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का था मामला

आधार पर प्रकरण न्यायालय में चला। जिस पर निचली अदालत ने 4 मई 2019 को अपना फैसला सुनाते हुए विभन्नि धाराओं के तहत तीन आरोपियों भद्रेश अरविंद पटेल, अंकित नानू पटेल, सिद्धार्थ दीपक पटेल को दोषी ठहराया, जबकि विशाल सुमन पटेल को बरी कर दिया गया। नामदार कोर्ट ने धारा 186 के तहत तीन महीने की सजा और 3,000 रुपये का जुर्माना, धारा 341 में 1 महीने, जबकि धारा 332 के तहत दो वर्ष की सजा सुनाई गई। इसके अलावा पीडीपी एक्ट के तहत दो महीने की सजा भी दी गई। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दोषियों द्वारा सत्र न्यायालय में अपील दायर की गई थी। हालांकि, सत्र न्यायालय ने मामले के साक्ष्यों और रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को बरकरार रखते हुए दोषसिद्धि की पुष्टि कर दी। मामले में सरकारी पक्ष की ओर से सरकारी लोक अभियोजक हरिओम उपाध्याय ने जोरदार पैरवी की। सरकारी पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रभावी दलीलों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा गया। बताया जाता है कि आरोपी कथित रूप से शराब के अवैध कारोबार (बूटलेगिंग) से जुड़े हुए थे। इस मामले में न्यायालय के फैसले को सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले मामलों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

दीव में आस्था और एकता का अनूठा पर्व 'काजणा उत्सव'

■ वाझा समाज की वर्षों पुरानी परंपरा में उमड़ा जनसैलाब, दीपक कांति बामणिया ने लूटा पवित्र काजणा (नारियल)

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 31 अगस्त। दीव में मनाया जाने वाला काजणा पर्व आस्था, लोकपरंपरा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम है। संत कबीर भगत की पवित्र स्मृति में काजणा पर्व की अखंड परंपरा चली आ रही है। वाझा समाज द्वारा की यह परंपरा के तहत इस वर्ष भी श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। मुख्य रूप से उत्सव के दौरान बड़े आकार के नारियल को बांस, नागरवेल, रस्सी और प्राकृतिक सामग्री से आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। इसके बाद इस पवित्र काजणा (नारियल) को लूटने की परंपरा निभाई जाती है।

काजणा पर्व के दौरान दीव की गलियां श्रद्धालुओं और दर्शकों से भर उठती हैं। घरों की छतों और आसपास के स्थानों पर भी बड़ी संख्या में लोग इस अनूठे आयोजन को देखने के लिए एकत्रित होते हैं। यह दृश्य केवल भीड़ का नहीं, बल्कि लोगों की वर्षों पुरानी आस्था और परंपरा के प्रति गहरे जुड़ाव का प्रतीक बन जाता है।

काजणा पर्व का संबंध स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक आस्थाओं से जुड़ा हुआ है। इस पर्व के साथ संत कबीर भगत की पवित्र स्मृति, पूर्वजों की परंपरा और कई पीढ़ियों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। जब काजणा सजाकर यात्रा के रूप में आगे बढ़ाया जाता है, तब ऐसा लगता है मानो पूरा गांव और आसपास का क्षेत्र अपनी पुरानी परंपरा का स्वागत करने के लिए एकजुट हो गया हो। बुजुर्गों की श्रद्धा, युवाओं का उत्साह और बच्चों की जिज्ञासा इस आयोजन को और भी जीवंत बना देती है।

काजणा पर्व की खास पहचान इसका विशाल आकार का सजा हुआ नारियल है। इसे बांस, नागरवेल, रस्सी, फूलों और हरे पत्तों जैसी प्राकृतिक सामग्री से सजाया जाता है। इसकी सजावट में स्थानीय लोककला और धार्मिक भावना का सुंदर मेल देखने को मिलता है। काजणा की तैयारी से लेकर उसकी शोभायात्रा और अंत में उसे लूटने की परंपरा तक हर चरण में लोगों का उत्साह देखने लायक होता है। श्रद्धालुओं के लिए काजणा लूटना केवल एक प्रतियोगिता या मनोरंजन नहीं, बल्कि आस्था से जुड़ी पवित्र परंपरा मानी जाती है। काजणा लूटने का क्षण आयोजन का सबसे रोमांचक और आकर्षक हिस्सा माना जाता है। जैसे ही काजणा लूटने का अवसर आता है, लोगों में उत्साह चरम पर पहुंच जाता है और बड़ी संख्या में उपस्थित लोग इस क्षण के साक्षी बनते हैं।

इस वर्ष काजणा उत्सव के दौरान दीव गौरक्षक समिति के सदस्य दीपक कांति बामणिया ने पवित्र काजणा लूटने में सफलता प्राप्त की। उनके द्वारा काजणा लूटे जाने के बाद दीव गौरक्षक समिति के सदस्यों ने एकत्रित होकर दीपक कांति बामणिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दीपक कांति बामणिया की इस उपलब्धि को काजणा पर्व से जुड़ी आस्था और परंपरा के प्रति सम्मान के रूप में देखा गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए काजणा पर्व की इस अनूठी और वर्षों पुरानी परंपरा के निरंतर कायम रहने की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। गौरतलब है कि काजणा पर्व में समाज के अलग-अलग वर्गों और विभिन्न आयु समूहों के लोग एक साथ शामिल होते हैं। कोई श्रद्धा के साथ आयोजन में भाग लेता है, कोई परिवार के साथ इस परंपरा को देखने पहुंचता है, तो कई लोग अपनी नई पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजन का हिस्सा बनते हैं। आज के आधुनिक दौर में जब जीवनशैली तेजी से बदल रही है और नई पीढ़ी तकनीक के साथ आगे बढ़ रही है, ऐसे लोकपर्व लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। काजणा पर्व इस बात का उदाहरण है कि आधुनिकता के साथ-साथ सदियों पुरानी लोकपरंपराएं भी समाज के बीच जीवंत रह सकती हैं।

समय के साथ समाज में कई बदलाव आए हैं, लेकिन लोकपरंपराओं का महत्व आज भी कायम है। ऐसी परंपराएं केवल अतीत की स्मृति नहीं होतीं, बल्कि समाज की पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा होती हैं।

काजणा पर्व से जुड़ी परंपराओं को संरक्षित करना और इनके महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि युवा पीढ़ी इन परंपराओं को समझेगी और उनसे जुड़ेगी, तभी यह सांस्कृतिक विरासत आने वाले वर्षों में भी इसी उत्साह और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ सकेगी। काजणा पर्व का एक दिन समाप्त हो जाता है, लेकिन इसके साथ जुड़ी भावनाएं पूरे वर्ष लोगों के मन में बनी रहती हैं। काजणा के साथ लोगों की आस्था, परंपरा, सामाजिक एकता और पीढ़ियों की स्मृतियां जुड़ी हुई हैं।

दीव में मेजर ध्यानचंद की जयंती पर श्रद्धांजलि एवं राष्ट्रीय खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 31 अगस्त। दीव में 29 अगस्त 2026 को महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर दीव के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुजराती माध्यम घोघला में एनएसएस यूनिट के स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया।

विभिन्न खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

दानह और दमण में राज्य सहायता मिशन अंतर्गत विजन-2047 पर कार्यशाला/परामर्श का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। संघ प्रदेश श्रीडी प्रशासन के योजना एवं सांख्यिकी विभाग ने राज्य सहायता मिशन के अंतर्गत विजन-2047 पर एक दिवसीय कार्यशाला/ परामर्श आयोजित किया है। जिसका उद्देश्य एक व्यापक विजन-2047 दस्तावेज तैयार करना और केंद्र शासित प्रदेश के लिए रणनीतिक विकास रोडमैप पर विचार-विमर्श करना है। इसके तहत 1 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दानह जिला के लिए नमो मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट सिलवासा में कार्यशाला आयोजित होगी। इसी तरह दमण जिला के लिए 2 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज दमण में कार्यशाला आयोजित होगी। इस बारे में सभी डिप्टी डायरेक्टर/जॉइंट डायरेक्टर/ डायरेक्टर/ हेड ऑफिस से निवेदन किया गया है कि वे वर्कशॉप में खुद आएं या अपने-अपने डिपार्टमेंट/ऑफिस से दो अधिकारियों को वर्कशॉप में हिस्सा लेने के लिए नॉमिनेट/ डेप्युट करें। सीनियर अधिकारियों का हिस्सा लेना जरूरी है ताकि सही बातचीत हो सके और विजन 2047 डॉक्यूमेंट और स्ट्रेटेजिक डेवलपमेंट रोडमैप तैयार करने के लिए सेक्टर-स्पेसिफिक इनपुट मिल सकें।

यूके के लेस्टर में दमण माछी महाजन ने अखंड भजन का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लेस्टर 31 अगस्त। भारत से सात समंदर पार यूके में बसे दमण के मूल निवासियों द्वारा हिंदू धर्म के सभी त्यौहार मनाये जाते हैं। यूके के लेस्टर में बसे दमण के मूल नागरिकों दमण माछी महाजन द्वारा श्री हिंदू मंदिर में अखंड भजन का आयोजन किया गया था। 30 अगस्त को सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक अखंड भजन का आयोजन हुआ। 1 बजे महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में दमण माछी महाजन के बडी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया।

दीव के लुहारवाडा और घोघला पंचायत चौक में महिलाओं ने किया बोर चौथ का व्रत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 31 अगस्त। दीव के लुहारवाडा और घोघला पंचायत चौक में बडी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक बोर चौथ का व्रत किया। इस अवसर पर महिलाओं ने गौ माता और बछडे की विधिवत पूजा करके परिवार की सुख-शांति और अखंड सौभाग्य की प्रार्थना की। इस दौरान आरती और बोर-चौथ की कथा भी सुनी जाती है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

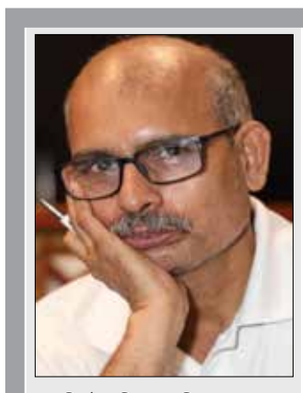

विनोद सिंह 'तकियावाला'

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, व्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन

उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुमार्ने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेफ्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची कर-के उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतः जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुःख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलनः विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

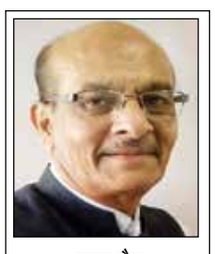

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

होर्मुज पर फिर टकराए अमेरिका-ईरान, अब निशाने पर दुनिया की तेल सप्लाई

लारक द्वीप पर अमेरिकी हमला, ईरान ने जॉर्डन पर दागी मिसाइलें

तेहरान (ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का नया मोर्चा अब उस समुद्री रास्ते पर खुलता दिखाई दे रहा है, जहां से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। करीब एक महीने बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया। अमेरिका का दावा है कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स होर्मुज स्ट्रेट में रॉकेट और समुद्री बारूदी सुरंगें तैनात करने की तैयारी कर रहे थे। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा करते हुए जॉर्डन में मौजूद दो अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने की बात कही। हालांकि, जॉर्डन की एयर डिफेंस द्वारा मिसाइलों को इंटरसेप्ट किए जाने की रिपोर्ट भी सामने आई है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल अमेरिका-ईरान की जवाबी कार्रवाई से आगे का है-अगर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई तो दुनिया के तेल बाजार का क्या होगा?

लारक द्वीप की भौगोलिक स्थिति इस हमले को बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। यह ईरान के बंदर अब्बास के नजदीक और होर्मुज स्ट्रेट के बीच में स्थित है। यही वह समुद्री मार्ग है, जिससे युद्ध से पहले दुनिया के इस्तेमाल होने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी की आवाजाही होती थी। इसलिए यहां किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई तो बीमा लागत, शिपिंग खर्च और कच्चे तेल की कीमतों पर तत्काल दबाव आ सकता है। यानी लारक द्वीप पर दागी गई मिसाइलों का असर हजारों किलोमीटर दूर तेल बाजारों तक पहुंच सकता है।

ईरान की नई रणनीति ने बढ़ाई चिंता: रिपोर्टों के मुताबिक ईरान होर्मुज के आसपास से गुजरने वाले टैंकरों की जांच कर रहा है और स्ट्रेट पार करने के लिए भारी शुल्क वसूल रहा है। साथ ही समुद्री बारूदी सुरंगों की आशंका ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने का अभियान पूरा करने का दावा कर चुका है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि होर्मुज में नई सुरंगें बिछाने की किसी भी कोशिश को सैन्य कार्रवाई से रोका जाएगा। इससे साफ है कि अमेरिका अब होर्मुज की सुरक्षा को केवल निगरानी के तौर पर नहीं, बल्कि सैन्य नियंत्रण के सवाल से जोड़ रहा है।

दो रास्तों में बंट गया होर्मुज: तनाव बढ़ने के बाद होर्मुज स्ट्रेट की समुद्री आवाजाही भी रणनीतिक रूप से दो हिस्सों में देखी जा रही है। उत्तरी हिस्से में ईरान के तट के करीब, लारक और किश्म द्वीपों के आसपास से गुजरता है। यह ईरान के बंदरगाहों और तेल टर्मिनलों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। दक्षिणी हिस्से में ओमान के करीब और ईरानी तट से अपेक्षाकृत दूर है। अमेरिका इसी रास्ते से जहाजों की आवाजाही को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहा है। इसका मतलब है कि युद्ध ने अब समुद्री व्यापार के लिए भी एक तरह का 'सुरक्षित बनाम जोखिम वाले रास्ते' का समीकरण पैदा कर दिया है।

भारत के लिए भी खतरे की घंटी: होर्मुज में बढ़ता तनाव भारत के लिए भी अहम है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। यदि स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बाधित होती है तो अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत बढ़ सकती है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। परिवहन लागत बढ़ने से खाद्य वस्तुओं, औद्योगिक उत्पादन, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लागत पर भी दबाव आ सकता है। यानी होर्मुज में अमेरिका-ईरान की लड़ाई का अगला असर एशिया के ऊर्जा बाजार और भारत की अर्थव्यवस्था पर पडऩा संभव है।

छह महीने से ज्यादा लंबी जंग, अब समुद्र भी युद्धभूमि: अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद शुरू हुआ संघर्ष अब छह महीने से ज्यादा लंबा हो चुका है। ईरान की ओर से इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए गए हैं। अब होर्मुज में सैन्य गतिविधि बढऩे से संघर्ष का एक नया आयाम सामने आया है। जमीन और हवाई हमलों के बाद समुद्री व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति भी युद्ध की रणनीति का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

असली लड़ाई अब सिर्फ ईरान बनाम अमेरिका नहीं: लारक द्वीप पर हमला और उसके बाद जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले यह संकेत दे रहे हैं कि अमेरिका-ईरान संघर्ष अब और व्यापक क्षेत्रीय संकट का रूप ले सकता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि होर्मुज में किसी एक सैन्य कार्रवाई से टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई तो इसका असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। होर्मुज में चल रही लड़ाई अब तेल, गैस और वैश्विक व्यापार की लड़ाई भी बन चुकी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता

लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

ELCB નો મોટો ફાયદો પરિવારની સુરક્ષાનો વાયદો

સુરક્ષિત રહો
અર્થ લીકેજ સર્કિટ બ્રેકર લગાવડાવો
એક નાનું યંત્ર જે વીજળીના ઝટકાથી સુરક્ષિત રાખે

ક્ષતિયુક્ત વાયરીંગ / સાધનોને કારણે થતા લીકેજ કરંટની સામે આપના પરિવારની રક્ષા કરે

એ માટે RCCB / ELCBનું સ્થાપન કરવું જરૂરી છે. જે વાયરિંગમાં થતા લીકેજ પ્રવાહને શોધી, પાવર સપ્લાયને બંધ કરી દે છે.

તમારા ઘરના વાયરિંગમાં કોઈ મોટા ફેરફાર વગર સહેલાઈથી સ્થાપિત થઈ શકે છે.

વાયરીંગમાં કોઈ મોટા બદલાવ વગર લગાવવામાં સરળ અને વ્યાજબી, કોઈપણ જાણકાર ઈલેક્ટ્રિશીયન લગાવી શકે

અર્થ લિકેજ સર્કિટ બ્રેકર (ELCB) એ ઈલેક્ટ્રિકલ સેફ્ટી ડિવાઈસ છે તેનો ઉપયોગ ઇલેક્ટ્રિક શોકથી બચાવવા માટે થાય છે. ELCBs લિકેજને શોધીને અને ઇલેક્ટ્રિક આંચકાને અટકાવીને સલામતીને સુનિશ્ચિત કરવામાં નિર્ણાયક ભૂમિકા ભજવે છે. તે તૂટેલા વાયર (અથવા) ક્ષતિગ્રસ્ત ઇન્સ્યુલેશનને કારણે થતા નુકશાન સામે રક્ષણ આપે છે. ELCBs ઇન્સ્ટોલ કરવું સરળ છે અને તેને જટિલ પ્રક્રિયાઓની જરૂર નથી.

વીજ અકસ્માત નિવારવા, ELCB લગાવવા સાથે નીચેની બાબતોનું અમલ કરવું :

૧. વીજ સાધનોનું સમારકામ અધિકૃત વ્યક્તિ પાસે કરાવી તેમજ તમારા વીજ ઉપકરણોને યોગ્ય સમયાંતરે સર્વિસ કરાવો.
૨. શોર્ટ સર્કીટ અથવા આગના કિસ્સામાં મેઈન સ્વીચ તાત્કાલિક બંધ કરો. આ સંજોગોમાં આપ સહેલાઈથી મેઈન સ્વીચ સુધી પહોંચી વીજ પુરવઠો બંધ કરી શકો તેવી ચોક્સાઈ રાખો.
૩. વાયરો કપાયા કે ઘસાયા નથી તેમજ યોગ્ય રીતે જોડાયેલાં છે તેની ખાતરી કરો.
૪. પ્લગની પીન ચુસ્ત છે ઢીલી નથી તેની ખાતરી કરો.
૫. 3 પીન પ્લગવાળા ઉપકરણો વાપરો અને તેમને 3 પીનવાળા શોકેટમાં નાંખો.
૬. એક જ સોકેટ પર ઘણાં બધાં કનેક્શન લગાવવા નહીં.
૭. ISI માર્કોવાળા વીજ સાધનો જ વાપરો.
૮. આપના બિલ્ડીંગ/ઘરને યોગ્ય અર્થીંગ આપો અને તેની સતત જાળવણી કરો. અર્થીંગ પાણીની પાઈપ કે અગાશીના થાંભલા સાથે જોડવું નહીં.
૯. ભીના હાથે સ્વીચ ચાલુ કે બંધ કરવી નહીં.
૧૦. તુટેલા પ્લગ, સોકેટ, સ્વીચ તાત્કાલિક બદલી નાંખો.
૧૧. હંગામી રીપેરીંગ કરવું નહીં.
૧૨. મીટર પેટી ઉપર પાણી ન પડે તેની કાળજી રાખો.
૧૩. પોતાની જાતે મીટર કે મીટર પેટી ખસેડવી નહીં.
૧૪. વીજળીના સ્વીચ બોર્ડમાંના પ્લગ ઉપયોગમાં ન હોય ત્યારે તેને કવરથી બંધ રાખવા.
૧૫. વીજળીના સ્વીચ બોર્ડ સુધી બાળકો પહોંચી ન શકે તે રીતે લગાવો.
૧૬. વાયરીંગ અવ્યવસ્થિત હોય તો તેને તાત્કાલિક સરખું કરાવો.
૧૭. મીટરના કટઆઉટ અને વીજળીની લાઈન સાથે ચેડાં કરવા એ ગુનો છે તેને કારણે ગંભીર અકસ્માત સર્જાય શકે છે.
૧૮. કંપનીના બીબીસી, સબસ્ટેશન, થાંભલા વગેરે વીજ વિતરણના સાધનો પર પોસ્ટરો ચાંટાડવા નહીં.
૧૯. વીજલાઈનની નજીક બાળકોને પતંગ ચગાવવા દેવા નહીં. પતંગ ઉડાવવા માટે મેટાલિક યાર્નનો ઉપયોગ કરશો નહીં. બાળકોને વીજળીના થાંભલા કે સબસ્ટેશન પર નહીં ચઢવાની સલાહ આપી તે દ્વારા થતા અકસ્માત અંગે સંપૂર્ણ અને વિસ્તૃત માહિતી આપો.

ચોમાસા અંગે વીજ સલામતીનાં સૂચનો

- વિજળીના મુખ્ય સપ્લાય પોઈન્ટ પર ELCB અથવા RCD નો અવશ્ય ઉપયોગ કરીએ.
- પોતાને અને પાલતુ પ્રાણીઓને ઘર/ગાલા/ફેક્ટરીની ઉપરથી પસાર થતી લાઇન, થાંભલા અને કેબલથી દૂર રાખીએ.
- ટ્રાન્સફોર્મર અને તેની નજીકના વિદ્યુત ઉપકરણો, (FSP/MSP) ઈલેક્ટ્રીક થાંભલા, ઈલેક્ટ્રીક વાયર વગેરેની નજીક ન જઈએ અને તેને ભીના હાથે સ્પર્શ ન કરીએ.
- વિજળીના થાંભલા સાથે અન્ય કોઈ વાયર અને રસ્સી ના બાંધીયે તેમજ તેના પર ભીના કપડા ના સૂકવીએ.
- વિજ વિતરણના સાધનોની નજીક ઓવરહેડ લાઇનની નીચે પ્રાણીઓ ચરાવવાનું ટાળીએ.
- કોઈપણ વિજ વિતરણના ઉપકરણ/ફેન્સીંગ/થાંભલા સાથે પ્રાણીઓને ન બાંધીએ.
- વિજ ઉપકરણોને અડીએ નહીં. તેના પર ટેકો આપી ઉભા ન રહીએ કે ન બેસીએ.
- વિજળીના ઉપકરણો પર જાહેરાતના પોસ્ટર ન લગાવીએ.
- ડિસ્ટ્રીબ્યુશન નેટવર્ક નજીક પાણી ભરાયું હોય તો ત્યાં જવાનું ટાળીએ.
- ઘર/ઇન્ડસ્ટ્રીના વાયરિંગના પાવર લીકેજના કિસ્સામાં તરત જ નીચે જણાવેલ હેલ્પલાઈન નંબર ઉપર જાણ કરીએ.
- કોઈપણ ઘટનાના કિસ્સામાં - દા.ત., કપાયેલા વાયર/તૂટેલા પોલ/શોર્ટ સર્કિટ/આંચકો/ઓવરહેડ લાઇન પર ઝાડ પડે તો કૃપા કરીને વીજ કંપનીને જાણ કરવી.
- જો કંડક્ટર તૂટી ગયો હોય તો તેને સ્પર્શ કરવાનો પ્રયાસ ન કરીએ. એ વિસ્તારને બેરિકેડ કરી તરત જ વીજ કંપનીને જાણ કરવી.

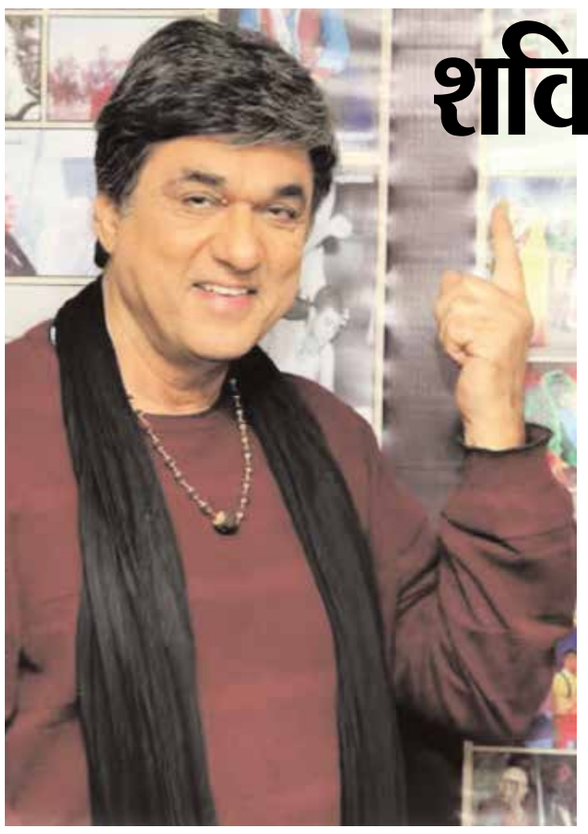

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

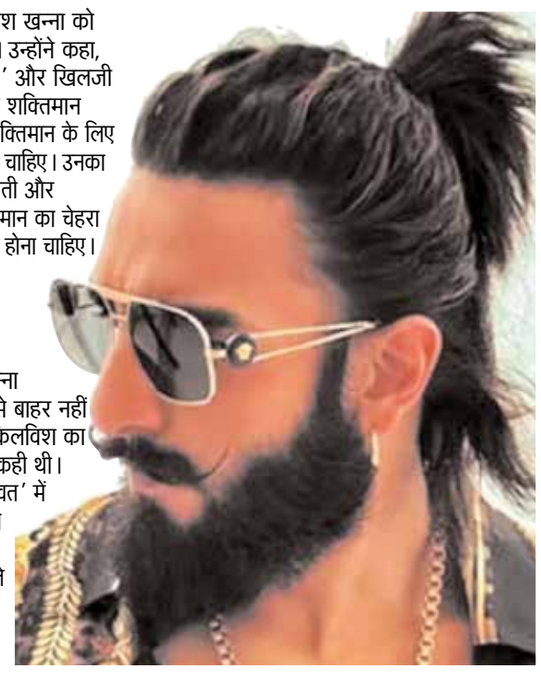

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुडी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ' 'कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुडी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ' 'रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ' 'इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

मुश्किल दौर से गुज़र रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मेंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीजों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

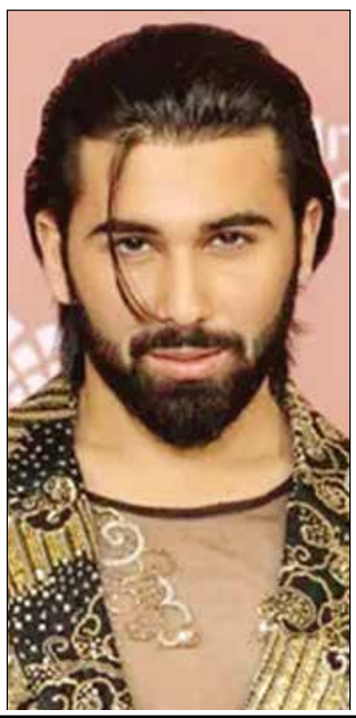

दमण की 450 वर्ष पुरानी नगरपालिका में मनाया गया लोकल सेल्फ गवर्नर्स डे

■ डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने नगरपालिका कार्यालय पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज ■ इस अवसर पर काउंसिलरों में तमन्ना मिठाणी, प्रवीणा राणा, रश्मि हलपति, भाविका टंडेल, कपिला ओड, पीयूष पटेल, अस्पी दमणिया, कल्पेश सीताराम सहित नगरपालिका स्टाफ की रही उपस्थिति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। एशिया की सबसे प्राचीन नगरपालिका दमण नगरपालिका में आज लोकल सेल्फ गवर्नर्स डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर नगरपालिका परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दमण नगरपालिका की अध्यक्षा दीपिका टंडेल ने नगरपालिका कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर काउंसिलरों में तमन्ना मिठाणी, प्रवीणा राणा, रश्मि हलपति, भाविका टंडेल, कपिला ओड, पीयूष पटेल, अस्पी दमणिया, कल्पेश सीताराम सहित नगरपालिका स्टाफ की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में नगरपालिका के काउंसिलरों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सार्वजनिक रूप से अपने विचार और अनुभव साझा करने का अवसर दिया। कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के अनुभवों तथा नगरपालिका की विभिन्न गतिविधियों और सेवाओं के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर पर दमण नगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सम्मान भी किया गया। नगरपालिका की ओर से उनकी सेवाओं और योगदान की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय स्वशासन व्यवस्था में नगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका और योगदान को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि पुर्तगाली शासनकाल के दौरान वर्ष 1882 में नगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए लोकल सेल्फ गवर्नर्स डे मनाने की परंपरा शुरू हुई थी। भारत की आजादी के बाद वर्ष 1993 में रेगुलेशन पारित कर इस दिवस के आयोजन को फिर से आधिकारिक रूप से शुरू किया गया। इसी के मद्देनजर आज दमण की 450 वर्ष पुरानी नगरपालिका में लोकल सेल्फ गवर्नर्स डे मनाया गया।

परिवहन विभाग ने 10 वर्षों की विकास एवं प्रगति के उपलक्ष्य में आयोजित किया सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संघ प्रदेश में 10 वर्षों की विकास एवं परिवर्तनकारी प्रगति के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हेलमेट तथा लर्नर/ड्राइविंग लाइसेंस वितरण कार्यक्रम दमण एवं दीव जिले में आयोजित किया गया । इसी कड़ी में सिलवासा में भी हेलमेट तथा लर्नर लाइसेंस एवं ड्राइविंग लाइसेंस वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों को हेलमेट वितरित किए गए तथा उन्हें अपनी एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पात्र आवेदकों को लर्नर लाइसेंस एवं ड्राइविंग लाइसेंस भी वितरित किए गए। यह पहल परिवहन विभाग द्वारा नागरिकों को सरल, सुगम, प्रभावी एवं जन-केंद्रित परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। परिवहन विभाग ने नागरिकों से अपील की कि सड़क सुरक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। सभी वाहन चालक यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से बचें तथा नशे की स्थिति में कभी भी वाहन न चलाएं। प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों के दौरान संघ प्रदेश में किए गए विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की श्रृंखला में यह कार्यक्रम नागरिकों की सुरक्षा, सुविधा एवं कल्याण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने, परिवहन सेवाओं को सरल एवं आधुनिक बनाने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। हेलमेट पहनें, सुरक्षित चलें - यातायात नियमों का पालन करें, जीवन बचाएं।

दमण सिविल कोर्ट ऑफिस के जूनियर क्लर्क शशिकांत माह्यावंशी हुए सेवानिवृत्त: न्यायाधीशों एवं कोर्ट स्टाफ ने दी शुभेच्छा विदाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। दमण सिविल कोर्ट ऑफिस के जूनियर क्लर्क शशिकांत माह्यावंशी 30 वर्ष की सेवा देकर आज अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये। जूनियर क्लर्क को सेवानिवृत्ति विदाई देने के लिए दमण कोर्ट हॉल में विदाई समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेश एस. तिवारी, सीनियर डिविजन सिविल जज श्रीमती प्रणिता पी. भारसकडे-वाघ और सीजेजेडी और जेएमएफसी श्री ओमकार जे. कुलकर्णी ने विदाईमान जूनियर क्लर्क शशिकांत माह्यावंशी को शॉल ओढाकर सम्मानित करते हुए विदाई दी। इस अवसर पर कोर्ट स्टाफ ने भी शशिकांत माह्यावंशी को शुभेच्छा विदाई दी। इस मौके पर सेवानिवृत्त जूनियर क्लर्क शशिकांत माह्यावंशी द्वारा दमण कोर्ट ऑफिस में क्लर्क के रूप में उनके समर्पित कार्यकाल, निष्ठा एवं अमूल्य योगदान को याद किया गया। उपस्थित सभी ने शशिकांत माह्यावंशी के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन व्यतीत करने की कामना की। इस दौरान शाशिकांत माह्यावंशी के परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

दमण मैराथन के साथ मानसून फेस्टिवल का भव्य समापन: परिवर्तनकारी विकास के 10 सफल वर्षों का मनाया गया जश्न

■ कानून सचिव जसवंत जू और काउंसिलर अस्पी दमणिया ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 31 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में विकास के 10 सफल वर्षों का जश्न मनाने और एथलेटिक उत्कृष्टता को सम्मानित करने के साथ ही एक ऊर्जावान मैराथन के साथ एक सप्ताह से चल रहे मानसून फेस्टिवल का आज समापन हो गया। पिछले एक दशक में दमण ने पर्यटन बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं, औद्योगिक विकास और खेल विकास सहित प्रमुख क्षेत्रों में एक व्यापक बदलाव देखा है। इस महोत्सव ने क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और खेल भावना के साथ-साथ इस बहु-क्षेत्रीय प्रगति को भी प्रदर्शित किया। एक उच्च-भागीदारी वाली मैराथन को कानून सचिव जसवंत जू, खेल अधिकारी और काउंसिलर अस्पी दमणिया ने आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ के बाद गणमान्य व्यक्तियों ने मैराथन विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण पत्र वितरित किए और उनके प्रदर्शन एवं समर्पण की सराहना की। सप्ताह भर चले इस उत्सव (24 से 30 तारीख) के दौरान दमण ने कई खेल प्रतिस्पर्धाओं में प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। जिनमें कबड्डी, पेंचक सिलाट, कैरम, टेबल टेनिस शामिल हैं। इन पूर्व आयोजनों के विजेताओं और प्रतिभागियों को भी आज के समापन समारोह के दौरान सम्मानित किया गया, जहां जिले की बढ़ती खेल संस्कृति को यादगार बनाने के लिए उनकी ट्रॉफियां और पदक प्रदर्शित किए गए। मानसून महोत्सव का सफल आयोजन सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने, इको-टूरिज्म को प्रोत्साहित करने और पूरे क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने के लिए संघ प्रदेश प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)